International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

अलवर जिले में पुरुष–महिला साक्षरता, 2011 (एक भौगोलिक अध्ययन)

साहस यादव
शोधार्थी
राज ऋषि भर्तृहरि
मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर (राज.)

सारांश

साक्षरता, शिक्षा के प्रमुख संकेतकों में से एक है। अलवर जिले में महिला साक्षरता दर, पुरुष साक्षरता दर से ग्रामीण एवं नगरीय दोनों क्षेत्रों में काफी कम है। जिले में ग्रामीण क्षेत्र में पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल 29.92 प्रतिशत है जबकि नगरीय क्षेत्र में 16.35 प्रतिशत। बहरोड़ तहसील में (24.50 प्रतिशत) ग्रामीण क्षेत्र में पुरुष–महिला साक्षरता दर में अन्तराल न्यूनतम है जबकि नगरीय क्षेत्र में न्यूनतम अन्तराल अलवर तहसील में 15.31 प्रतिशत है। पुरुष–महिला साक्षरता दर में सर्वाधिक अन्तराल थानागाजी तहसील में पाया जाता है। महिलाओं में कम साक्षरता दर होने के पीछे घर के काम काज में बेटियों द्वारा अधिक हाथ बँटाना, बड़ी बहनों द्वारा घर पर रहकर छोटे बहन–भाइयों को संभालना तथा समाज द्वारा बेटी को पराया धन मानने की भावना इत्यादि प्रमुख कारण है।

सामाजिक जागृति द्वारा महिलाओं की साक्षरता स्थिति को सुधारा जा सकता है। अलवर जिले में पुरुष साक्षरता दर 83.75 प्रतिशत थी जो भारत देश एवं राजस्थान राज्य के औसत से क्रमशः 2.86 प्रतिशत एवं 4.56 प्रतिशत अधिक थी। जिले में महिला साक्षरता दर भारत देश की महिला साक्षरता दर से 8.39 प्रतिशत कम एवं राजस्थान राज्य की महिला साक्षरता दर से 4.13 प्रतिशत अधिक थी।

मुख्य शब्द :साक्षरता, साक्षरता दर, साक्षरता अन्तराल, पुरुष साक्षरता, महिला साक्षरता, नगरीय, साक्षरता दर, ग्रामीण साक्षरता दर।

प्रस्तावना

शिक्षा सामाजिक विकास का एक महत्त्वपूर्ण मापदण्ड है। साक्षरता शिक्षा के एक प्रमुख संकेतक के रूप में माना जाता है क्योंकि साक्षर लोगों में बड़ी संख्या में लोग शिक्षित भी होते हैं। अतः किसी क्षेत्र के शैक्षिक विकास के अध्ययन के लिए साक्षरता के आँकड़ों का विश्लेषण करना जरूरी है।

वर्ष 2011 में भारत, राजस्थान व अलवर जिले में कुल साक्षरता क्रमशः 72.9 प्रतिशत, 66.11 प्रतिशत एवं 70.72 थी। किन्तु साक्षरता की स्थिति सभी वर्गों व सभी क्षेत्रों में समान नहीं थी। पुरुष–महिला साक्षरता के मध्य बड़ा अन्तराल राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तर पर देखा जाता है अतः इन आँकड़ों का विश्लेषण करना आवश्यक हो जाता है। भारत देश में 2011 में पुरुष एवं महिला साक्षरता दर क्रमशः 80.89 प्रतिशत एवं 64.64 प्रतिशत थी। राजस्थान राज्य में पुरुष एवं महिला साक्षरता दर 2011 की जनगणना के अनुसार क्रमशः 79.19 प्रतिशत तथा 52.12 प्रतिशत एवं अलवर जिले में यह क्रमशः 83.75 प्रतिशत तथा 56.25 प्रतिशत थी।

समस्या कथन

किसी भी क्षेत्र की आधी आबादी महिलाओं के रूप में होती है। जिस समाज में पुरुष–महिलाओं के लिंगानुपात, शिक्षा, जागरूकता, आर्थिक सामर्थ्य, सामाजिक स्तर में समानता होती है तो वह समाज निःसंदेह आर्थिक तौर पर अग्रणी, सामाजिक स्तर पर समातावादी, राजनैतिक तौर पर जागरूक समाज होता है किन्तु दुर्भाग्य से भारत देश में ऐसा नहीं पाया जाता। यहाँ पुरुष–महिला के मध्य सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक तौर पर स्पष्ट अन्तर दिखाई देता है। इन अन्तरों के पीछे विद्यमान कारणों को स्थानीय, क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर समझने की जरूरत है। जिला स्तर पर इन अन्तरों एवं उसके पीछे विद्यमान कारणों को समझने के लिए प्रस्तुत अध्ययन अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है जो इस प्रकार के अध्ययनों के लिए शोधकत्ताओं को प्रेरित कर सकेगा। अलवर जिले में पुरुष–महिलाओं

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

की शैक्षिक स्थिति को समझने में यह अध्ययन मददगार होगा। उपर्युक्त कारणों को दृष्टिगत रखते हुए प्रस्तुत शोध समस्या का चयन किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र का परिचय

मानचित्र 1

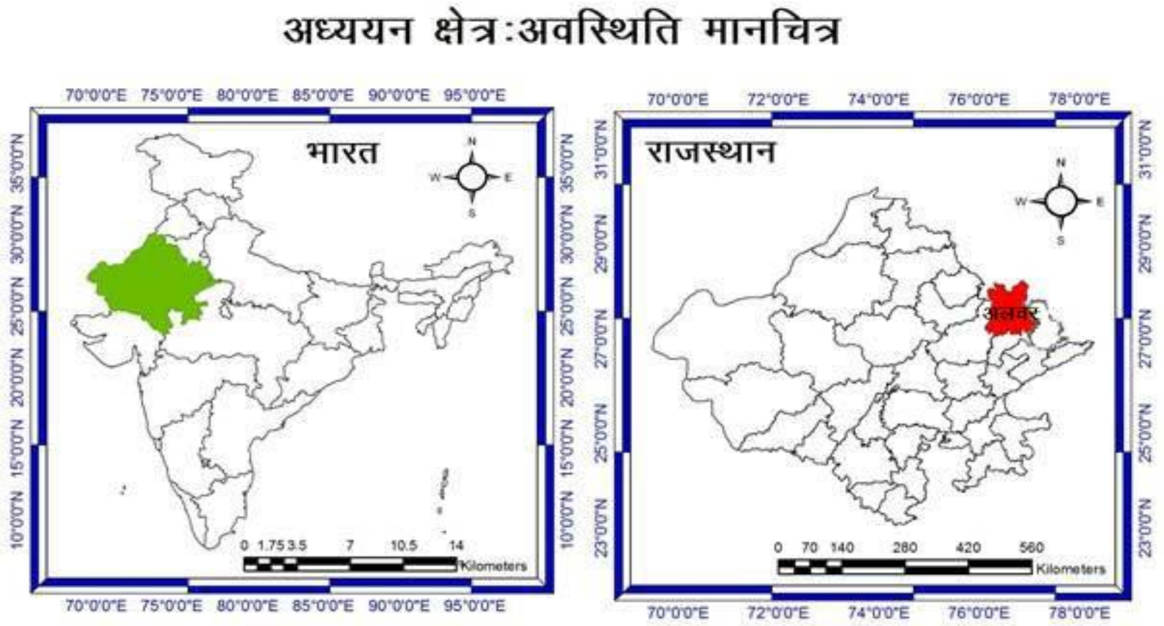

अलवर जिला राजस्थान राज्य के पूर्वी भाग में स्थित एक महत्त्वपूर्ण जिला तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का हिस्सा है। अलवर जिला 27^0 4′ उत्तरी अक्षांश से 28^0 4′ उत्तरी अक्षांश एवं 76^0 7′ पूर्वी देशान्तर से 77^0 13′ पूर्वी देशान्तर के मध्य 8380 वर्ग किलोमीटर में फैला है। इस जिले की सीमाएं हरियाणा के तीन जिलों से महेन्द्रगढ़ (पश्चिम) रेवाड़ी (उत्तर) एवं मेवात (उत्तर–पूर्व) मिलती हैं। पूर्व एवं दक्षिण–पूर्व में भरतपुर जिला, दक्षिण में दौसा जिला एवं पश्चिम में जयपुर जिला (राजस्थान) इसके सीमावर्ती जिले हैं। जिले में पहाड़ी एवं मैदानी भू–भाग प्रमुखता से पाये जाते हैं। उप–आर्द्र किस्म की जलवायु वाले इस जिले की वार्षिक वर्षा का औसत 65 सेण्टीमीटर है। यहाँ ग्रीष्मकाल एवं शीतकाल दोनों कठोरता लिए होते हैं। ग्रीष्मकाल में उच्चतम तापमान कई बार मई–जून में 47^0 सेण्टीग्रेड को पार कर जाते है तो शीतकाल में न्यूनतम तापमान 2^0 सेण्टीग्रेड से नीचे भी

अनेक स्थानों पर गिर जाता है। वर्षा का 80 प्रतिशत से अधिक भाग जुलाई से मध्य सितम्बर के बीच दक्षिणी–पश्चिमी मानसून से प्राप्त होता है। साक्षेप आर्द्रता का औसत 50 प्रतिशत के आसपास पाया जाता है। जिले में सामान्यतया पतझड़ किस्म की प्राकृतिक वनस्पति मिलती है जिसमें धोक, खैर, नीम, खेजड़ी, शीशम, पीपल, बरगद जैसे वृक्ष एवं बेर, कैर जैसी झाड़ियाँ प्रमुख हैं।

अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन अग्रांकित उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए किया गया है–

(i) वर्ष 2011 में अलवर जिले की साक्षरता स्थिति का पता लगाना।

(ii) साक्षरता में पुरुष–महिला अन्तराल की जानकारी प्राप्त करना।

(iii) महिलाओं में कम साक्षरता के कारणों को जानना।

परिकल्पना

शोध कार्य सम्बन्धी परिकल्पना निम्न प्रकार है–

(i) अलवर जिले में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की साक्षरता स्थिति अत्यधिक कमजोर है।

(ii) महिलाओं की कमजोर साक्षरता स्थिति के लिए घर से बाहर महिला के असुरक्षित होने की भावना सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है।

विधितन्त्र

प्रस्तुत अध्ययन हेतु साक्षरता सम्बन्धी द्वितीयक आँकड़े भारत की जनगणना 2011 द्वारा एकत्र किये गये हैं जबकि महिलाओं की कमजोर साक्षरता स्थिति का पता लगाने के लिए उत्तरदायी कारकों की खोज करने के लिए विभिन्न स्थानों से प्राथमिक आँकड़े साक्षात्कार के माध्यम से जुटाये गये हैं। प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण के लिए गणितीय विधियों एवं आरेखों, मानचित्रों का प्रयोग किया गया है। पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल की गणना करने हेतु निम्न सूत्र का प्रयोग किया गया है।

सा.अ.= पु.सा.द. – म.सा.द.

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सा.अ. – साक्षरता अन्तराल

पु.सा.द. – पुरुष साक्षरता दर

म.सा.द. – महिला साक्षरता दर

अलवर जिले में तहसीलवार पुरुष–महिला साक्षरता, 2011 की स्थिति तालिका संख्या 1 में दर्शाई गई है।

तालिक– 1

जिला अलवर : तहसीलवार पुरुष–महिला साक्षरता, 2011

क्र. सं.	तहसील	साक्षरता प्रतिशत में				
			व्यक्ति	पुरुष	महिला	पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल
1	बहरोड़	कुल	79.78	91.10	67.48	23.62
		ग्रामीण	79.12	90.87	66.37	24.50
		नगरीय	84.24	92.63	75.02	17.61
2	मुण्डावर	कुल	74.87	88.04	60.54	27.50
		ग्रामीण	74.87	88.04	60.54	27.50
		नगरीय	0	0	0	0
3	कोटकासिम	कुल	76.82	89.44	63.18	26.26
		ग्रामीण	76.82	89.44	63.18	26.26
		नगरीय	0	0	0	0
4	तिजारा	कुल	69.12	81.65	54.58	27.02
		ग्रामीण	62.88	77.97	46.29	31.68
		नगरीय	79.98	87.64	70.21	17.43
5	किशनगढ़ बास	कुल	70.56	82.90	57.20	25.70
		ग्रामीण	66.02	80.12	50.80	29.32
		नगरीय	83.16	90.57	75.06	15.51
6	रामगढ़	कुल	63.17	78.29	46.69	31.60
		ग्रामीण	62.28	77.74	45.45	32.29
		नगरीय	78.29	87.72	67.85	19.87
7	अलवर	कुल	75.32	86.34	63.04	23.30
		ग्रामीण	65.04	80.05	48.34	31.71

		नगरीय	85.06	92.30	76.99	15.31
8	बानसूर	कुल	67.31	80.55	52.72	27.83
		ग्रामीण	67.31	80.55	52.72	27.83
		नगरीय	0	0	0	0
9	थानागाजी	कुल	60.29	75.71	43.18	32.53
		ग्रामीण	60.29	75.71	43.18	32.53
		नगरीय	0	0	0	0
10	राजगढ़	कुल	67.54	82.09	51.20	30.89
		ग्रामीण	66.59	81.38	49.96	31.42
		नगरीय	79.10	90.82	66.21	24.61
11	लक्ष्मणगढ़	कुल	65.86	80.93	49.17	31.76
		ग्रामीण	65.35	80.61	48.45	32.13
		नगरीय	77.61	88.60	65.71	22.89
12	कठूमर	कुल	70.10	83.98	54.30	29.68
		ग्रामीण	68.64	83.17	52.11	31.06
		नगरीय	88.08	93.95	81.40	12.55
	जिला अलवर	कुल	70.72	83.75	56.25	27.50
		ग्रामीण	67.85	82.08	52.16	29.92
		नगरीय	83.39	91.02	74.67	16.35

स्रोत : भारत की जनगणना, 2011 डिस्ट्रिक्ट सेन्सस हैण्डबुक जिला अलवर।

आरेख–1 : जिला अलवर : तहसीलवार साक्षरता, 2011

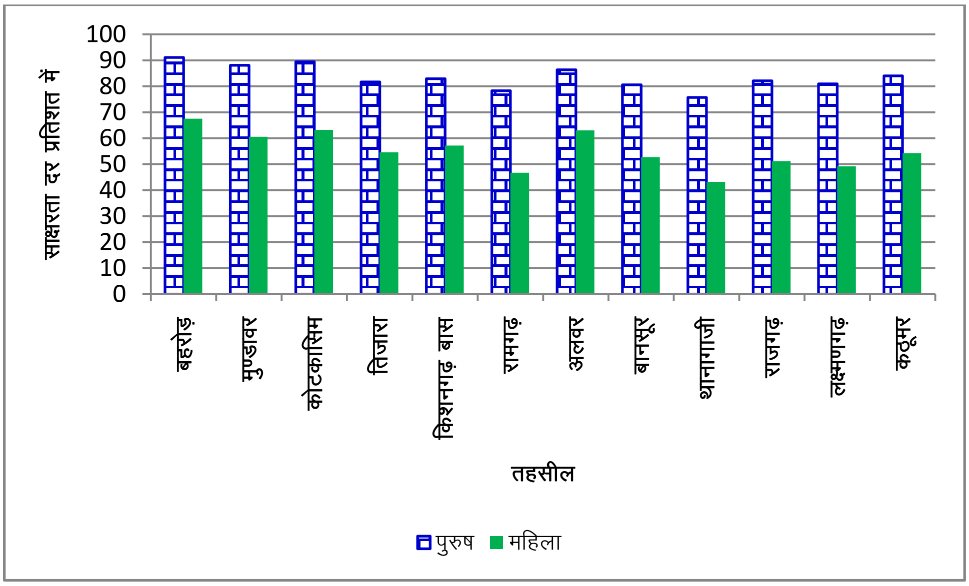

तालिका 01 एवं आरेख 01 के आँकड़ों का विश्लेषण करने से जिले की साक्षरता के बारे में निम्न तथ्य उजागर होते हैं–

(i) अलवर जिले में 2011 में औसत साक्षरता 70.72 प्रतिशत थी। पुरुष एवं महिला साक्षरता क्रमशः 83.75 प्रतिशत एवं 56.25 प्रतिशत थी। पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल 27.50 प्रतिशत था।

(ii) अलवर जिले व उसकी सभी तहसीलों में नगरीय क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कुल साक्षरता, पुरुष साक्षरता एवं महिला साक्षरता अधिक थी।

(iii) जिले में कुल साक्षरता की दृष्टि से उच्चतम साक्षरता बहरोड़ तहसील में तथा न्यूनतम साक्षरता (व्यक्ति, पुरुष, महिला) थानागाजी तहसील में है।

(iv) ग्रामीण क्षेत्र में सर्वाधिक साक्षरता (व्यक्ति, पुरुष, महिला) बहरोड़ तहसील में थी जबकि न्यूनतम साक्षरता (व्यक्ति, पुरुष, महिला) थानागाजी तहसील में थी।

(v) नगरीय क्षेत्रों सर्वाधिक कुल साक्षरता (85.06 प्रतिशत), महिला साक्षरता (76.99 प्रतिशत) अलवर तहसील में जबकि सर्वाधिक पुरुष साक्षरता बहरोड़ तहसील में (92.63 प्रतिशत) थी।

(vi) सांस्कृतिक क्षेत्रों की दृष्टि से देखा जाए तो सर्वाधिक साक्षरता राठ क्षेत्र में (बहरोड़, मुण्डावर) जबकि न्यूनतम मीणावाटी क्षेत्र (थानागाजी, राजगढ़) में पाई जाती है।

तालिका–2

जिला अलवर : तहसीलवार पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल, 2011

पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल (प्रतिशत में)	तहसील
23 से 25	बहरोड़, अलवर
25 से 27	कोटकासिम, किशनगढ़ बास
27 से 29	मुण्डावर, तिजारा, बानसूर
29 से 31	कठूमर, राजगढ़
31 से 33	लक्ष्मणगढ़, रामगढ़, थानागाजी

मानचित्र 2

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

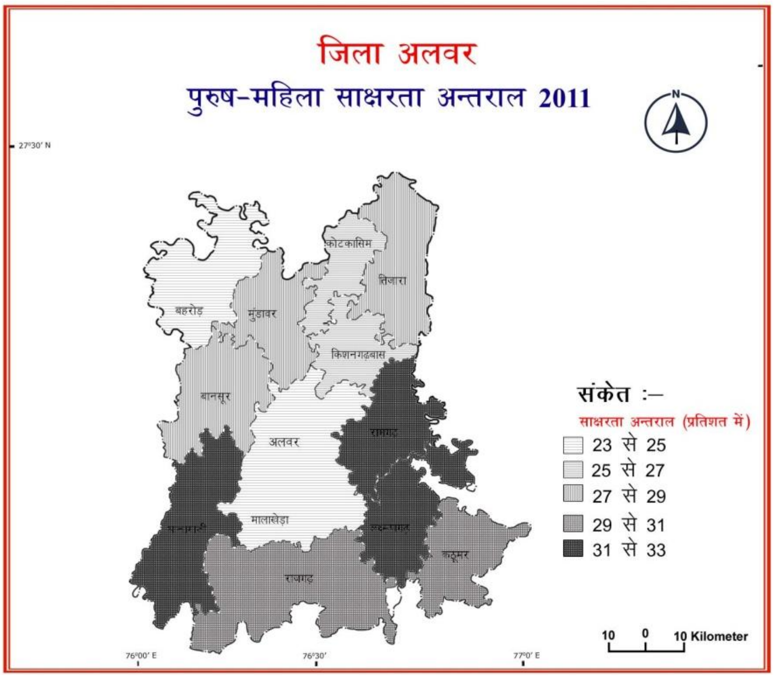

पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल को दर्शाने वाले मानचित्र 02 एवं तालिका 01 का अध्ययन करने से पता चलता है कि–

(i) न्यूनतम पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल वाली तहसीलें बहरोड़ व अलवर है जहाँ यह अन्तराल क्रमशः 23.62 प्रतिशत एवं 23.30 प्रतिशत है।

(ii) लक्ष्मणगढ़, रामगढ़ एवं थानागाजी तहसीलों में पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल जिले में सर्वाधिक है।

(iii) अलवर जिले की किसी भी तहसील में पुरुष–महिला साक्षरता में 23 प्रतिशत से कम अन्तर नहीं पाया गया। अर्थात् जिले में पुरुष–महिला साक्षरता के बीच बड़ी खाई नजर आती है।

(iv) ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल न्यूनतम 23 प्रतिशत है जबकि उच्चतम 32.53 प्रतिशत।

(v) नगरीय क्षेत्रों में पुरुष महिलाओं में साक्षरता अन्तराल ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कम है। जिले में नगरीय क्षेत्रों में औसत रूप से पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल 16.35

प्रतिशत है। नगरीय क्षेत्रों में सर्वाधिक साक्षरता अन्तराल राजगढ़ तहसील में (24.61 प्रतिशत) है। पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल ग्रामीण क्षेत्रों में 23 प्रतिशत से 33 प्रतिशत के मध्य जबकि नगरीय क्षेत्रों में 16 प्रतिशत से 25 प्रतिशत के मध्य है।

पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल द्वारा पुरुष साक्षरता की तुलना में महिलाओं की स्थिति का मूल्यांकन करने हेतु शोधकर्ता ने स्वनिर्मित अग्रांकित मापक का प्रयोग किया है–

पुरुष–महिला साक्षरता अन्तराल (प्रतिशत में)	साक्षरता स्थिति (महिला)
0–5	सामान्य
5–10	अल्प कमजोर
10–15	कमजोर
15–20	अधिक कमजोर
20 से अधिक	अत्यधिक कमजोर

उपर्युक्त पैमाने के आधार पर अलवर जिले की प्रत्येक तहसील में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की साक्षरता की स्थिति अत्यधिक कमजोर है। प्रत्येक तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में ही महिला साक्षरता की दशा पुरुष साक्षरता से अत्यधिक कमजोर स्थिति में पायी गयी। नगरीय क्षेत्रों में महिला साक्षरता की दृष्टि से कठूमर तहसील जिले में सर्वोच्च स्थान पर है किंतु पुरुष साक्षरता की तुलना में यहाँ भी महिला साक्षरता की स्थिति कमजोर की श्रेणी में आती है। **इससे शोध परिकल्पना अलवर जिले में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की साक्षरता स्थिति अत्यधिक कमजोर है, मोटे तौर पर सत्य प्रमाणित हुई है।**

महिलाओं की कमजोर साक्षरता स्थिति के लिए जिम्मेदार कारक

जिले में महिलाओं की कमजोर साक्षरता स्थिति का पता लगाने के लिए शोधकर्त्ता ने जिले की बहरोड़, रामगढ़ व थानागाजी तहसीलों में प्रत्येक तहसील से 25 पुरुष, 25 महिलाओं से साक्षात्कार के माध्यम से जानकारियाँ एकत्र की। इन 150 व्यक्तियों से प्राप्त जानकारियों से निम्न तथ्य प्राप्त हुए–

(i) 40 प्रतिशत लोगों ने माना कि बेटे–बेटी में अन्तर की भावना के कारण महिला साक्षरता की जिले में कमजोर स्थिति है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

(ii) 72 प्रतिशत लोगों ने बेटी को पराया धन मानना एवं उनकी पढ़ाई पर धन खर्च करने को धन की बर्बादी मानने की भावना को महिला साक्षरता की कमजोर स्थिति के लिए जिम्मेदार माना।

(iii) 80 प्रतिशत लोग मानते हैं कि घर के कामकाज में बेटियों द्वारा अधिक हाथ बँटाना तथा छोटे बहन–भाइयों की घर पर देखभाल करने की जिम्मेदारी के कारण महिलाओं में पुरुषों से कम साक्षरता दर पाई जाती है।

(iv) 30 प्रतिशत लोगों ने बेटियों के प्रति समाज के उपेक्षा भाव को महिला साक्षरता की कमजोर स्थिति के लिए जिम्मेदार माना।

(v) संरक्षकों में घर से बाहर बेटियों के असुरक्षित होने की भावना के कारण महिला साक्षरता कमजोर स्थिति में है ऐसा 30 प्रतिशत लोगों ने माना।

(vi) बेटियों से नौकरी नहीं करवाने की भावना के कारण भी जिले में महिला साक्षरता कमजोर स्थिति में है ऐसा मानना 40 प्रतिशत लोगों का था।

(vii) परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति तथा लड़कियों से पशु चराने का काम करवाने के कारण भी उनकी पढ़ाई में बाधा आती है। ऐसा 30 प्रतिशत लोगों ने माना।

आँकड़ों के उपर्युक्त विश्लेषण से पता चलता है कि जिले में महिला साक्षरता की अत्यधिक कमजोर स्थिति के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार कारक

(1) लड़कियों का घर के काम–काज में अधिक हाथ बँटाना।

(2) छोटे भाई बहनों को सँभालने की जिम्मेदारी निभाना।

(3) बेटी को पराया धन मानने की भावना।

(4) लड़कियों की पढ़ाई पर धन खर्च करने को धन की बर्बादी मानने की भावना हैं।

इससे शोध परिकल्पना महिलाओं को कमजोर साक्षरता स्थिति के लिए घर से बाहर महिला के असुरक्षित होने की भावना सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है, असत्य प्रमाणित हुई है।

निष्कर्ष

अलवर जिले में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की साक्षरता स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक कमजोर एवं नगरीय क्षेत्रों में अधिक कमजोर है। महिलाओं की कमजोर साक्षरता दर के पीछे प्रमुख कारण लड़कियों का घर के काम–काज में अधिक हाथ बँटाना, छोटे भाई–बहनों की घर पर रहकर देखभाल करना, समाज द्वारा बेटी को पराया धन मानने की भावना तथा बेटी की पढ़ाई पर किये गये खर्च को धन की बर्बादी मानने की भावना है। सामाजिक जागृति के माध्यम से ही इस अन्तर को मिटाया जा सकता है। भारत देश व राजस्थान राज्य की तुलना में अलवर जिले में कुल साक्षरता दर एवं पुरुषों की साक्षरता दर अधिक है। महिला साक्षरता दर अलवर जिले में राष्ट्रीय औसत से कम है एवं राज्य के औसत से अधिक है। सामाजिक–आर्थिक उन्नयन के लिए जिले में महिला साक्षरता बढ़ाने के विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. कश्यप, मंजूलता, जांजगीर, 2015, महिला साक्षरता के संदर्भ में छत्तीसगढ़, श्रृंखला नवम्बर, 2015, वाल्यूम XIII, इश्यू 3, पृ. 54–56
2. नाथ दीपंजोली 2022, लिटरेसी रेट इन इण्डिया 2022, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिशी प्लनरी रिसर्च, पृ. 4–7
3. पंडा, बी.पी. 2007, जनसंख्या भूगोल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, पृ. 242–246
4. बंसल, सुरेश चन्द, 2012, भारत का भूगोल, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ, पृ. 601–605
5. बोडिगे कविथा, 2020, सोशियो डेमोग्राफिक प्रोफाइल ऑफ दी पापुलेशन ए स्टडी इन तेंलगाना स्टेट अनपब्लिशड थीसिस, पृ. 87–90
6. भारत की जनगणना 2011, राजस्थान, डिस्ट्रिक्ट सेंसस हैण्डबुक अलवर सीरीज 09, पार्ट XII-Aपृ. 20–21

7. वही, पृ. 68–69
8. लिटरेसी रेट इन इण्डिया 2024, सर्वे बॉस नेशनल स्टेटिशटिकल ऑफिस (एन.एस. ओ.) अक्टूबर, 2023
9. शाह. एम. आर., 2013, लिटरेसी रेट इन इण्डिया इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च वाल्यूम I, इश्यू 7 अक्टूबर, 2013, पृ. 1–4
10. सिंह विशाल, 2019, रूरल लिटरेसी रेट इन इण्डिया : ए ज्योग्राफिल एनालिसिस, जे.ई.टी.आई.आर. मार्च, 2019, पृ. 1–8